तौहीद और शिर्क कि ये कसमकश न गुजीर है

शेख तमीम अल-अद्नानी हाफिजाहुल्लाह

तौहीद और शिर्क कि ये कसमकश न गुजीर है

शेख तमीम अल-अद्नानी हाफिजाहुल्लाह

बर्रे सगीर के समाजी, सकफती और सियासी शोबो में तेजी से तब्दीलियां रोनुमा हो रही हैं। मैं जो बात आज तकरीबन एक दहाई से कह रहा हूं, मैं आज भी वही अल्फाज गून्ज रहा हूं।

ऐ मेरे कौम!

ऐ बर्रे सगीर के मुसलमान भाइयों और बहनों!

मीडिया में आप ने देखा है के किस तरह भारत कि मुसल्लह देहशतगर्द तन्जीम आर एस एस वक्त गुजरने के साथ साथ पूरे बर्रे सगीर में हिंदुत्ववादी के पंजे फैला रहेंगे है। भारत की जनूबी रियासत कर्नाटक कि एक यूनिवर्सिटी में मुसलमान तलबात को हिजाब पहनने कि इजाजत नही है। कई तालीमी इदारों में हिजाब पर पाबंदी आइद कर दी गयी है। आर एस एस के तरबियत याफ्ता गुंडे स्टुडेन्ट गेरुआ चादर पहन कर तालीमी इदारों में आए हैं और हिजाब के खिलाफ्' जय श्री राम का नारा लगा रहे हैं।

इस से पहले आप ने बाबरी मस्जिद के इंहदाम और राम मन्दिर की तामीर का घिनौना मंजर देखा है। आप ने CAA और NRC के जरिए पूरे हिंदुस्तान को अरकान बनाने कि एक घिनौनी साजिश देखी है। आप ने दिल्ली में आलमनाक कत्लेआम देखा है। आप ने असम और त्रिपुरा की जलती हुइ मस्जिदें देखी हैं, आप ने मुसलमान के टूटे हुए घर देखे हैं, आप ने अस्मतदरी करने वाली मां और बहन की चीखें सुनी हैं, आप ने मुसलमान भाई पर एक मुशरिक साहफी का रक्श देखा है जिसे गोली मार कर हलाक कर दिया गया था।

प्यारे मुस्लिम उम्मह्! जों जों वक्त गुजरता जा रहा है गुजरात के कसाई मोदी और दहशतगर्द तंजीम आर एस एस मुसलमानों के लिए हिंदुस्तान की सरजमीं को तंग कर रही हैं। चारों तरफ एक बहुत बड़ा तनाजा है। ये कशमकश तोहीद और शिर्क की है। ये कशमकश इमान वालों बा मुकाबला मुसरिको के दरमियान है। अल्लाह ताला ने फर्माया

"(لَتَجِدَنَّ أَشَدَّ ٱلنَّاسِ عَدَٰوَةً لِّلَّذِينَ ءَامَنُواْ ٱلْيَهُودَ وَٱلَّذِينَ أَشْرَكُواْ ۖ)"

तुम यहूदियों और मुसरिको को इमान वालों के सख्त दुश्मन पायेंगे। (सुरह मैद ५ : ८२)

मौजूद वकेयात के दरमियान, आप कान लगाने से ऐक सुर्ख खून मुस्तक्बिल का पुर्-तसुद्दुद गून्ज सुनेगे – आप ऐक अजीम जंग के दमामा सुनेगे। रसूल अल्लाह सल्लाहू व-अलिही वसल्लम के अल्फाज में इस अजीम जंग का नाम गजवातुल हिंद है।

प्यारे भाई और बहन!

आप देखें के किस तरह हर रोज मालून मुस्रिकिन के राम राज कायम करने का ख्वाब बर्रे सगीर मुसलमानों के वुजूद कि जद में हमला कर रहे हैं। आप ये भी देख सकते हैं के हुक्मरान हुकूमत ने इक्तिदार में रहने की ख्वाहिश को पूरा करने के लिए किस तरह मुल्क कि आज़ादी, खुद्मुख्तारी के साथ साथ इस मुल्क के बेगुनाह मुदलमानों के मुस्तक्बिल को पानी की कीमत पर एक जरहाना हिंदुस्तान के पास फरोख्त कर दिया है। मुल्क कि हुकूमत्, इंतजामिया , अदलिया, तालीमी निजाम, मालियती निजाम सब आज ब्राह्मणी कुव्वातों के

हाथों में यरगमाल बनाए हुए हैं। वो तेजी से इस मुल्क के मुसलमानों पर हमले के लिए जमीन तैयार कर रहें हैं। इस मकसद के लिए हुकूमत और इंतजामिया में बहुत ज्यादा hinduism जारी है। उन्होंने पेलखान कत्लेआम के जरिए फौज का कंट्रोल सम्भाल लिया। इस बार भारत के तनख्वाहदार मीर जफर दलालों को इक्तिदार के मरकज में नस्ब करके हिंदुत्ववादी जरिहयत का रास्ता साफ किया जा रहा है। दरें इस्न बैन अल अक्वामी कुफ्र ग्रुप कि बाराह ए रास्त हिमायात याफ्ता दहसतगर्द तंजीम पर इन्तहा पसंदो का गलबा मुल्क भर में काले पंजे फैला रहा है।

यहां तक के मुसलमानो कि मस्जिदों और मदरसे भी तेजी से उन के कंट्रोल मे जा रहे हैं। टेक्नॉफ से ले कर टेंटोलिया तक मुसरिको की खुफिया एजेंसी R A W की जानिब से साजिशों का एक तरह जाल फैलाया गया है।

मुसलमानों कि अंदरूनी मुजहमत को मुमकिना मुस्लिम शक्सियत की बे कानूनी गुमशुदगी और कत्ल से तबाह किया जा रहा है। मुल्क के कुछ रहबर उलमा ए कराम को कैद कर दिया गया है, कुछ को जेल व जुल्म क खौफ दिखा कर खामोश कर दिया गया है और किसी को तस्लीम और इक्तिदार के लालच या नकद रकम के लालच में अपनी ही पार्टी में घसीट लिया गया है। इस लिए हम देखते हैं के बहुत से उलमा इस मुश्किल वक्त में मुसलमानों के मजहब, इमान और वुजूद के तहफ्फुज कि कोशिश करने के बजाए खुदगर्जी के मकसद के लिए तागूत की कुर्बत पर शुक्र गुजार होने की कोशिश कर रहे हैं!

आज मुसलमानों को पूरे मुल्क में उतनी सिक्युरिटी हासिल नही है। इस से कोइ फर्क नही पड़ता के कौन गुमशुदगी हो रहा है या मारा जाता है। मस्जिदों को आग लगाई जा रही है, कहीं कूड़ा करकट फेंका जा रहा है। पामाल किया जा रहा है कुरान पाक के फटे हुए सफ्हात। प्यारे नबी को हर वक्त ताना दिए जा रहा है। तड़पा रहा है सेहरा पर आशिक ए रसूल की गोलियों से भरी लाशें। मस्जिदों और मदरसों की आवाजों को ख़ामोश किया जा रहा है। दीनदार मुसलमानों को

जंगी टैग लगाकर जेल भेजा जा रहा है। इंतजामिया की बाराह ए रास्त मदद से जिना और बेहयाई का बाजार गरम हो गया है। मुसलमानों के इमान और अकीदा के बारे में हर जगह एक तमाशा हो रहा है

प्यारे मुस्लिम उम्माह!

इस नाजुक हलात में हमारी ये हैरत अंगेज खामोसी कौम के मुस्तकबिल के हर मन्जिल अंधेरे में ढांप जाएगी। काश हमें इस की कीमत अदा करनी पड़ती तो इतना परेशान होने की कोई वजह नहीं होती लेकिन ये जुर्म ना सिर्फ हमारे लिए बल्कि हमारी आने वाली नस्लों के लिए भी अमन और खुशी के तमाम चिराग बुझा देगी। अगर इस मुल्क का इख्तियार जरेहना मुसरीकीन के हाथ में आ जाए तो कौम को एक ले इम्तिहानी आफत का सामना करना पड़ेगा। जब इस खौफनाक अंधेरे का तसव्वुर करता हूं तो दिल कांप उठता है। अगर हम ने अरकान, कश्मीर और बुखारा, समरकंद कि तरीख से कुछ सबक सीख लिया है तो मैं बार बार कहूंगा के हमने ता गू त के हुक्मरान के सामने इन्साफ और सलामती मांग के कुफरी सकफत

जारी करके कौम को धोखा दिया है और हम ने कई सालों से जहन्नम के दरवाजों में भीख मांगी है। हमारा खौफ सिर्फ इस लिए नही के मोजूद नसल इस बुराई की आग में जल जायेगी बल्कि इस लिए भी की हमारी आने वाली नसले बरसो बरस तक इस आग में जलती रहेगी।

ऐ उलमा ए कराम ऐ कौम के रहबर!

सलाहियतदार मुस्लिम नौजवान!

ये आप की जिम्मेदारी है के आप बर्रे सगीर के उन मुसलमानों को वापस लाएं जिन्होने खतरनाक जुर्म में छ्लांग लगाई है। ये आप की जिम्मेदारी है के आप इन्हें मुत्नबा करें और इन्हें जगाएं। इस के बाद फज्ल और इम्कान के तमाम दरवाजे बन्द हो जायेंगे। आपने अरकान की वेहिशाना अजीयत और गैर इंसानी तबाही देखी है, आप ने कश्मीर के भाइयों के खून आलोदा चेहरे देखे हैं, आप ने बेइज्जत बहनों की दर्द नाक चीखें सुनी हैं। क्या आप इस दिन का इंतजार कर रहें हैं ? मुसलमानों की दीन ओ दुनिया के लिए तबाह किन जरेहना दुश्मनों के खिलाफ अदाद और जिहाद से परहेज़ करें एक खौफनाक जुर्म है। तल्ख लेकिन सच है, मुद्दतोन से उलेमा और आवाम सब ने मिल कर ये जुर्म किया है। हम ने ही खुद की रहमत के तमाम रास्ते बन्द कर दिए हैं।हम मुस्तकबिल की तमाम उम्मीदों का गला घोटने की कोशिश कर रहे हैं। याद रहे की अरकान में भी सैकड़ो मदरसे, बुलन्द ओ बाल मिनार वली मस्जिदें, तबलीगी जमात की बिलाझिझक चहल कदमी और बहुत बड़े मशहूर दीनी मरकज थे।

लेकिन आज दीनी दरशगाह कहां है ? जहां वहां से मुतासिर मोलवी जिहाद रोकने के लिए फतवे देते थे! वो मौलवी कहां हैं ? जो अदाद करने वाले मिजाहिदिनो को तागूत के हवाले करते थे! हिंदुत्ववादी जरहियात का पहला शिकार ये दीनी मरकज होंगे। मुसरीकीन उसे मसमार करने से पहले ये नहीं जानना चाहेंगे की उन्होंने ने जिहाद के खिलाफ फतवा जारी किया था या नहीं।

प्यारे भाई और बहन!

हमें होशियार रहना होगा। अपने आप को खौफनाक दिनों के लिए तैयार करना होगा। ताकि शरीयत ने जो इख्तियार हमें सौंपा है वो हम सही तौर पर हासिल कर सके। ये कोशिश और dua हमेशा हमारी रोजमर्रा की जिन्दगी कि मुस्तकिल साथी होनी चहिए।

आइए हम होशियार रहें।

जाती और खानदनी जिन्दगी में इस्लामी शरीयत को मुकम्मल तोर पर कायम करें। खोखला हुआ मुस्लिम मुआसरे के हर कोने में खालिस अकीदा और नबवी मनहाज के बयान फैलाएं। आइए हम नौजवान को मुत्तहिद करें।

इलाके के आलम और दीनदार मर्बियो के साथ छोटी छोटी मजहबी तंजीमे और और दावती काफिले कायम करें।

आइए बर्रे सगीर बुत परस्तों के उरूज को रोकने के लिए जिहाद फि सबिलिल्लाह कि बद्री रूह को उम्मत के दिल में डालने कि कोशिश करें। अगर मुमकिन हो तो अदद के काफिले में शामिल हो जाता हूं

जो अल्लाह कि सर जमीन में अल्लाह के दीन को कायम करने कि जद्-ओ-जेहद में मशरूफ है। हुम खुद को बनाते हैं, अगली नसल को हिंदुत्ववादी शिरकी तौफान का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। उन के दिलों कि वसी जमीन में हम तौहीद की शीश पिगलाई दीवार तामीर करते हैं। इन्शा अल्लाह गजवातुल हिंद कि शदीद जंग में हमारी इस अदाद हमारी इस तोहिदी नसल ने हिंदुत्ववादी के उरूज़ का बहादुरी से मुकाबला करेंगे। आखरी हंसी मुसलमान ही हंसेगा। ये नबी सल्लाहू वालैही वसल्लम का वादा है। ये हमारा ईमान है।